पाठ 16

घुमक्कड़ तारक

एक तालाब के किनारे पन्ना और पंखी दो हंस रहते थे। उसी तालाब में तारक नाम का कछुआ भी रहता था। तीनों में बड़ी दोस्ती थी। हंस तो दूर–दूर तक उड़कर चक्कर लगा आते थे, लेकिन कछुआ तालाब के आगे कभी नहीं गया था। हंस उसे रोज नई–नई बातें सुनाया करते थे।

एक दिन तारक ने हंसों से कहा कि उसे भी घुमाने ले चलें। हंस तैयार हो गए और उसको साथ लेकर आकाश में उड़ चले।

हंस

तारक को दूर तक फैला आकाश और समुद्र बहुत अच्छा लगा। अचानक उसने समुद्र में पानी की ऊँची–ऊँची लहरें उठते देखीं। खुश होकर वह हँस पड़ा। जैसे ही उसका मुँह खुला वह गहरे समुद्र में जा गिरा।

तारक चकित रह गया। वह तो एक दूसरे ही संसार में आ गया था। यहाँ तो चारों ओर पानी ही पानी था। वह जहाँ जाता उसे छोटे बड़े हजारों पौधे, तरह तरह के कीड़े–मकोड़े और जीव– जंतु दिखाई देते। अचानक उसे एक बहुत बड़ा कछुआ दिखाई दिया। वह तारक

को बहुत ध्यान से देख रहा था। वह कछुआ बोला, "अरे भई, तुम कहाँ से आए हो ? तुम्हारा नाम क्या है ?"

तारक ने कहा, "मेरा नाम तारक है। मैं दूर देश से सैर करने आया हूँ। आपका क्या नाम है ?"

ह्वेल मछली

"मुझे हीरक कहते हैं। मेरे साथ चलो, मैं तुम्हें समुद्र की सैर करा दूँगा।" हीरक उसे अपने साथ ले गया। "इसे देखो, तारक! यह ह्वेल है। यह हाथी से कई गुना बड़ी होती है"– हीरक ने बताया।

डॉलफिन मछलियाँ

अचानक एक ओर से उछलती–कूदती मछलियों का एक झुंड आता दिखाई दिया। तारक ने पूछा , "अरे, ये क्या हैं ?" हीरक ने बताया– "ये डॉलफिन मछलियाँ हैं। इन्हें बातूनी मछलियाँ भी कहते हैं। ये अपने करतब से लोगों का मनोरंजन करती हैं। इन्होंने कई बार समुद्र में डूबते लोगों को बचाया भी है।"

ऑक्टोपस

तारक को यह सुनकर बड़ा आनंद आया। हीरक मुस्कराया और बोला, "समुद्र में और भी बहुत से अद्भुत प्राणी हैं, तारक !" दोनों तैरते हुए मूँगे की एक बहुत बड़ी चट्टान पर जा बैठे। वहाँ से तारक ने बड़े–बड़े घोंघे, केकड़े, रंगीन मछलियाँ, पाँच कोने वाली सितारा मछली, झींगे और स्पंज देखे। एक ओर से आठ हाथों वाला ऑक्टोपस चला जा रहा था।

तारक बोला, "समुद्र तो अचरज से भरा पड़ा है।" हीरक उसे ऐसी मछलियाँ

दिखाने ले गया जिनकी आँखों से तेज रोशनी निकल रही थी। कई मछलियों की आकृति साँप और घोड़े जैसी भी थी।

समुद्री जीव–जंतु

'अचरज भरा समुद्र देखकर मेरा जी करता है कि मैं यहीं रह जाऊँ' हीरक बोला, "जरूर, तुम खुशी से यहाँ रहो।" तारक तबसे गहरे समुद्र में रहने लगा।

अभ्यास

1. उत्तर लिखो–

(क) तारक ने समुद्र में क्या–क्या देखा ?

(ख) कौन-सा जीव हाथी से कई गुना बड़ा होता है ?

(ग) कौन–सी मछली बातूनी कहलाती है ?

(घ) हीरक और तारक में कौन बड़ा था ?

2. सोचो और बताओ –

(क) हंस का जोड़ा 'तारक' को आकाश में किस तरह ले गया होगा ?

(ख) पन्ना और पंखी को ढूँढ़ते ढूँढ़ते बहुत दिन बाद तारक मिला। तारक ने उनसे क्या क्या बातें की होंगी ?

3. समुद्र में पाए जाने वाले जीव– जन्तुओं के चित्र बनाओ और रंग भरो।

अपने आप–3

मीठे बोल

मीठा होता खस्ता खाजा
मीठा होता हलुआ ताजा।
मीठे होते गट्टे गोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठे होते आम निराले
मीठे होते जामुन काले।
मीठे होते गन्ने गोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठा होता दाख छुहारा
मीठा होता शक्कर पारा।
मीठा होता रस का घोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

मीठी होती पुआ सुहारी
मीठी होती कुलफी न्यारी।
मीठे रसगुल्ले अनमोल
सबसे मीठे, मीठे बोल।।

– सोहन लाल द्विवेदी

✿ बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। कक्षा में पाठ पर आधारित गतिविधि कराएँ। बच्चों को मीठे बोल, स्नेहपूर्ण शब्दों, आदर सूचक सम्बोधन तथा स्वागत सूचक शब्दों की जानकारी दें।